S-0 Roll No. ……..

BAKK–201

शान्ति एवं संस्कार विधान

कला में स्नातक (कर्मकाण्ड) बी. ए.-12 / 16 / 17 /

बी. ए. एस.-12 / 16 / 17

द्वितीय वर्ष, सत्र 2018

समय : 3 घण्टा पूर्णांक : 80

नोट : यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है जो तीन (03) खण्डों 'क', 'ख' तथा 'ग' में विभाजित है। शिक्षार्थियों को इन खण्डों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. नामकरण संस्कार के महत्व प्रतिपादित कीजिए।
2. विवाह के प्रमुख दोषों का निरूपण कीजिए।
3. नवग्रह शान्ति से क्या तात्पर्य है ? स्पष्ट रूप से लिखिये।
4. यमल जनन का परिचय देते हुए उसकी शान्ति विधान का उल्लेख कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. बौधायन गृह्यसूत्र के अनुसार संस्कारों की संख्या स्पष्ट कीजिए।
2. जातकर्म संस्कार में होने वाले मुख्य कर्म का उल्लेख कीजिए।
3. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिये :
   (अ) अन्नप्राशन
   (ब) चूड़ाकरण
4. उपनयन संस्कार की आवश्यकता पर प्रकाश डालिए।
5. विवाह मुहूर्त्त का लेखन कीजिये।
6. समावर्तन संस्कार विधि का वर्णन कीजिए।
7. मूल शान्ति के पौराणिक मन्त्रों का प्रतिपादन कीजिए।
8. मानव जीवन में संस्कार की उपयोगिता पर अपना मत लिखिये।

खण्ड–ग

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. आश्वलायन गृह्यसूत्र किस वेद से सम्बन्धित है ?
   (अ) यजुर्वेद

(ब) सामवेद

(स) ऋग्वेद

(द) अथर्ववेद

2. जननाशौच में कितने दिनों तक सूतक रहता है ?

(अ) 10

(ब) 12

(स) 13

(द) 14

3. बिना नाम के ज्ञान को क्या कहते हैं ?

(अ) सविकल्पक

(ब) निर्विकल्पक

(स) विकल्पक

(द) इनमें से कोई नहीं

4. पारस्कर गृह्यसूत्र में कितने संस्कार वर्णित हैं ?

(अ) 12

(ब) 16

(स) 13

(द) 40

5. उपयमन कुशाओं की संख्या कितनी है ?

(अ) 5

(ब) 6

(स) 7

(द) 8

6. बालक को अक्षराम्भ संस्कार किस वर्ष कराया जाता है ?
   (अ) चौथे
   (ब) तीसरे
   (स) पाँचवें
   (द) सातवें
7. द्विरागमन में शुक्र त्याज्य है :
   (अ) सम्मुख और दक्षिण
   (ब) वाम
   (स) पृष्ठ
   (द) दक्षिण
8. निम्नलिखित में रेवती नक्षत्र के अधिदेवता हैं :
   (अ) सर्प
   (ब) वृहस्पति
   (स) पितृ
   (द) अहिर्बुध्न्य
9. मघा नक्षत्र के देवता कौन हैं ?
   (अ) सर्प
   (ब) वृहस्पति
   (स) पितृ
   (द) भग
10. ज्येष्ठा नक्षत्र के प्रत्यधिदेवता कौन हैं ?
   (अ) सर्प
   (ब) वृहस्पति
   (स) निर्ऋति
   (द) भग